"काटन स्पिनिंग यूनिट्स फेस डिफिकल्ट टाइम्स" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि सूती धागे के भंडार की समुचित मात्रा न उठाए जाने के कारण भारी मात्रा में उसका स्टाक जमा हो गया है ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने और साथ ही इसके बढ़िया न होने के कारण इसके निर्यात में कठिनाई पेश आ रही है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में सूती धागे की मांग की तुलना में इसकी उत्पादन क्षमता कहीं अधिक है ; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार सूती धागे की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से इस उद्योग को आधुनिक बनाने का विचार रखती है ताकि यह अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में सफलतापूर्वक मुकाबला कर सके ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी, हां ।

(ख) से (ङ) मई, 1992 की स्थिति के अनुसार 82.46 मिलियन कि०ग्रा० सूती यार्न उपलब्ध है और यह स्थिति मई, 1991 में उपलब्ध 80.41 मिलियन कि०ग्रा० के स्टाक की तुलना में काफी अच्छी मानी जा सकती है । इस प्रकार यह कहना सही नहीं है कि सूती यार्न का भारी मात्रा में स्टाक जमा है । यद्यपि क्वालिटी की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कड़ी स्पर्धा है फिर भी कुछ वर्षों से सूती यार्न के निर्यात में वृद्धि हुई है यार्न उत्पादन की क्षमता देश में यार्न की मांग को पूरा करती हैं । सूती कताई एककों सहित वस्त्र उद्योग का आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है ।

Sick Jute Mills

*172. SHRI IQBAL SINGH:

DR. ABRAR AHMED:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of jute mills have become sick during the last few years;

(b) if so, what are the reasons; and

(c) what are the steps taken by the Government to rejuvenate them?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) to (c) Sickness in the jute industry can be attributed to low productivity, lack of modernisation and competition from low priced synthetic substitutes. Government have taken several measures for the revival of sick mills including creation of Jute Modernisation Fund, establishment of Special Jute Development Fund, mandatory use of jute packing for foodgrains, sugar, cement and urea, purchase of B. T. will bags on cost plus basis, encouragement of diversification by providing financial, fiscal and market support.

Fruit and vegetables processing units in the North East

*173. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether any proposals for setting up fruits and vegetables processing industries in the North East, particularly in Tripura have been received by Government;